नशा मुक्ति अभियान

युवा बचाओ–भविष्य बचाओ

संचालकः–	मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति
सहयोगः–	हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति गुजंन स्वयं सेवी संस्था पालमपुर,(हि.प्र.) जिला बाल संरक्षण इकाई,मण्डी

नशे का फैलता मकड़जाल

आज हमारा पूरा समाज नशे की चपेट में आ रहा है। नशे की रोक के लिये सरकार द्वारा भारत नशा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है, उसी कड़ी में हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति, मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति और अन्य संस्थाओं ने मिलकर हिमाचल प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान शुरू किया है। मण्डी जिला में उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित भारत नशा मुक्त अभियान समिति में मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति को भी शामिल किया गया है। यह सही है कि नशे की चपेट में ज्यादातर नौजवान शामिल हैं। लेकिन बड़ी उम्र के लोगों की संख्या भी कम नहीं है। युवाओं को लेकर चिंता इसलिए भी है कि हमारा देश युवा देश है। युवाओं का देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि युवा सबसे अधिक ऊर्जावान और उत्पादक अवस्था है। लेकिन दिशा से भटकने और गलत रास्ते पर मुड़ जाने के लिए भी यही अवस्था सबसे संवेदनशील भी है। जवानी एक ऐसी उम्र होती है जहां तर्क समझ नहीं आता। विद्रोही प्रवृति और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने की समझ पूरी तरह से विकसित नहीं होती। किसी की सलाह अनसुनी हो जाती है। स्वतन्त्र रहने की चाह होती है। परन्तु कई बार दिशा भटकने से यह अति उत्साह बहुत पीड़ा और दुख का कारण बन जाता है। युवा नशे के ऐसे मकड़जाल में फंस जाते हैं जिससे बाहर निकलना बड़ा मुश्किल हो जाता है। नशा एक ऐसी गहरी और आकर्षक गुफा है जिसमें जाने के बाद वापसी कम ही होती है। व्यक्ति इस रास्ते पर आगे तो बढ़ जाता है लेकिन पीछे से दरवाजे बंद हो जाते हैं। इन दिनों सिंथेटिक ड्रग्स का प्रचलन तेजी से मौत की ओर ले जा रहा है। इसमें नशीली दवाओं का प्रयोग भी शामिल है।

क्या करें ?

बढ़ते नशे के प्रचलन के लिए हम सारा दोष अपने बच्चों और युवाओं के सर मढ़ देते हैं जो सही नहीं है। बच्चे तो वही सीखते और करते हैं जो परिवार, समाज और आसपास का वातावरण उन्हें सिखाता है। समाज का दूषित वातावरण बच्चों को नशे की ओर धकेल रहा है। नशे के कारणों में अधिकतर कारण वे हैं जो परिवार के माहौल, समाज के वातावरण या शासन की नाकामी से पैदा होते हैं। केवल युवा पीढ़ी को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि समाज के सभी लोगों और संगठनों को इस भयानक खतरे के दुष्परिणामों को समझना और उन्हें सुलझाना होगा।

अभियान संचालन की प्रक्रिया

1. नशे के खिलाफ माहौल तैयार करना जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडल, स्वयं सहायता समूह, युवक मण्डल, स्वयं सेवी संगठनों और पूर्व सैनिकों व अन्य सामाजिक संगठनों के व्यक्तियों को संगठित होकर हर स्तर पर नशा रोकने में प्रभावी भूमिका निभानी होगी।
2. नशा करने या बेचने वालों के बारे में प्रशासन को सूचित करना।
3. उस परिवार को दोषी न ठहराना जिनके घर से कोई नशे की लत में पड़ चुका हो।
4. अपने बच्चों से नशे के खतरों के बारे में नियमित बात करना।
5. समस्या का पता लगने पर इसे नकारने के बजाये अपने बेटा–बेटी का इलाज करवाना उसे डॉक्टर/ सलाहकार के पास ले जाना।
6. अगर जरूरी हो तो पुलिस की मदद लेकर उसे रोकने की कोशिश करना।
7. आस पड़ोस से भी मदद लेकर बच्चे की गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करना।
8. युवा–युवतियों को संगठित करके उन्हें खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, आजीविका कमाने, घरेलू कार्यो व कृषि कार्यो में जोड़ा जाये।
9. यदि आपने अपने घर में किसी नौजवान बच्चों को कमरे किरायें पर दिये है तो अपने किरायेदारों की गतिविधियां व कमरे की निगरानी रखें और यदि आपके बच्चे किराये के मकानों में रहते है तो उनके बारे में नियमित तौर पर जानकारी लेते रहे।
10. अपने बच्चों के स्कूल बैग, कमरा और उनकी जेब समय–समय पर चैक करते रहे।
11. संदिग्ध स्थानों पर जहां नशा बेचा जाता या खरीदा जाता है उनका सामूहिक रूप से भ्रमण किया जाये।
12. जिन मॉ–बाप ने अपने बच्चों को गाड़ी, स्कूटी,बाईक दी है वे बच्चे अकसर शाम को देर रात घर से बिना वजह बाहर रहते है। ऐसी गतिविधियों पर भी मां बाप को अंकुश लगाने की जरूरत है।
13. मासिक आधार पर स्कूलों में विद्यार्थियों व अभिभावकों से संवाद किया जाये और स्कूलों में नशा मुक्त निगरानी समितियों का गठन करवाया जाये।
14. अपने गांव में नशा करने वाले बच्चों व गांव में कितने प्रकार के नशे किये जाते है की सूची तैयार करना।

अतः आप सभी से अनुरोध है कि समाज और विशेषतौर पर युवा पीढ़ी को नशे के मकड़जाल से छुड़ाने तथा स्वस्थ समाज निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

धन्यवाद।

निवेदक

मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति सौली खड्ड मंडी,
जिला मंडी,(हि0प्र0)–175001